मुस्कानिष्ट

☺ पत्नि – शादी के पहले आप मुझे कितने उपहार दिया करते थे अब क्यों नहीं देते?
पति – क्या तुमने कभी सुना है मछली पकड़ने के बाद भी मछुआरा उसे चारा खिलाता है?

☺ पत्नि – तुम्हे नो नरक में भी जगह नहीं मिलेगी ।
पति – अच्छा ही है, वरना सब जगह तुम्हारे साथ रहते रहते तो मैं पागल हो जाता ।

☺ एक सहेली – दूसरी से – पत्नि हर जन्म में वही पति क्यों चाहती है ?
दूसरी सहेली – ताकि उस पति को सुधारने में लगी उसकी मेहनत बेकार न जाए ।

☺ पत्नि – कितना अच्छा होता यदि मैं किताब होती और हर समय तुम्हारी आँखों के सामने होती ।
पति – कितना अच्छा होता कि तुम कैलेंडर होती ताकि मैं हर साल बदल लिया करता ।

☺ एक आदमी सुबह – सुबह कॉफी शॉप से बाहर निकला तो उसने विचित्र सी शवयात्रा देखी। एक ताबुत के 50 फीट पीछे दुसरा ताबुत था और दूसरे ताबुत के पीछे एक अकेला आदमी अपने काले कुत्ते के साथ चल रहा था और कुत्ते के पीछे 200 आदमियों की सीधी लाईन। उत्सुकता वश यह व्यक्ति ताबुत के पीछे चलने वाले आदमी से पूछ बैठा । मैं आकपे दुख को समझ सकता हूँ और आपको परेशान करने के लिए ये बहुत गलत समय है। लेकिन ऐसी शवयात्रा मैंने पहली बार देखी है कि इतने सारे आदमी एक लाइन में चल रहे हैं। ये किसकी शवयात्रा है ?
व्यक्ति बोला – पहला ताबुत मेरी बीबी का है।
आदमी ने पूछा – उसे क्या हुआ ?
व्यक्ति बोला – मेरे कुत्ते ने उस पर हमला किया और उसे मार डाला।
आदमी ने पूछा – और दूसरा ताबुत ।
व्यक्ति बोला – मेरी सास का है। उसने मेरी बीबी की सहायता करने की कोशिश की और कुत्ते ने उसे भी मार डाला।
कुछ समय तक वहाँ पर दोनों के बीच खामोशी छा गई।
आदमी ने पूछा – क्या वह कुत्ता उधार दोगे।
व्यक्ति बोला – पीछे लाइन में आ जाओ ।

☺ हवाई सफर के दौरान जेम्स बांड एक तेलगु आदमी के बगल में बैठा ।
तेलगु – हेलो – क्या मैं आपका नाम जान सकता हूँ?
जेम्स बांड – अपने चित–परिचित अंदाज में बोले– मेरा नाम है
बांड .....जेम्स बांड।
और आपका ?
तेलगु – मेरा नाम है राव .....
शिवा राव .....
संबा शिवा राव .....
व्यंकेट संबा शिवा राव ....
येरलगड्डा व्यंकेट संबा शिवा राव ....
राजशेखरा येरलगड्डा व्यंकेट संबा शिवा राव ....
सीतारमनजनेयुला राजशेखरा येरलगड्डा व्यंकेट शिवा राव....
विजयवाड़ा सीतारमनजनेयुला राजशेखरा येरलगड्डा व्यंकेट संबा शिवाराव....।
उसके बाद जब भी किसी ने बांड ने उससे उसका नाम पूछा – उन्होंने सीधे बताया '' जेम्स बांड ''

संकलन
लोकेश भागवत
भोपाल